# "वाइब्रेंट दिग्विजय"

प्रदेश के सबसे बड़े तथा नगर का गौरवशाली इतिहास समेटे शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय साहित्यिक एवं शैक्षणिक क्षेत्र में ही अग्रणी नहीं बल्कि खेल राजनीति उद्योग जगत व्यापार जगत में भी गत 65 वर्षो से अपनी पहचान बनाए हुए हैं। इस महाविद्यालय की गौरव गाथा में जहां गजानन माधव मुक्तिबोध पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी जैसे विश्व प्रसिद्ध साहित्यकारों का अप्रतिम सृजनात्मक इतिहास रहा है । वहीं दूसरी ओर इस महाविद्यालय ने खेल राजनीति उद्योग जगत प्रशासन व्यापार जगत को अनेक प्रतिभाशाली हस्तियां दी हैं जिन्होंने न केवल देश में बल्कि विदेशों में भी महाविद्यालय की कीर्ति पताका फहरा रहे हैं इस कड़ी में दिग्विजय महाविद्यालय ने पहली बार उद्योग जगत के नामचीन उद्योगपतियों जो महाविद्यालय के पूर्व छात्र भी रहे हैं उन्हें महाविद्यालय प्रांगण में एकत्रित किया।

शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय में दिनांक 24.12. 2022 को प्राचार्य डॉ के. एल. टांडेकर के मार्गदर्शन, IQAC समिति और जनभागीदारी समिति के संयुक्त निर्देशन में प्रदेश में पहली बार किसी महाविद्यालय में इतने बड़े स्तर पर उद्योगपति एलुमनी सम्मिट का आयोजन किया गया। जिसका शीर्षक **"दिग्विजय वाइब्रेंट - औद्योगिक एल्यूमिनी मीट"** रहा। 1957 में महाविद्यालय के प्रारंभ से अब तक अध्ययनरत भूतपूर्व विद्यार्थी प्रदेश के विभिन्न औद्योगिक, सामाजिक, शासकीय एवं अन्य क्षेत्रों में कार्यरत है उन्हें महाविद्यालय के अधोसंरचना के विकास और बेहतर NAAC ग्रेडिंग के लिए भूतपूर्व विद्यार्थियों की सहभागिता सुनिश्चित करना, अध्ययनरत विद्यार्थियों को बेहतर संसाधन उपलब्ध कराना, रोजगार और औद्यौगिक क्षेत्र में इंटर्नशिप दिलाना मूल उद्देश्य था। कार्यक्रम में शहर के जाने-माने उद्योगपति श्री बलदेव सिंहजी भाटिया (एम.डी. दिल्ली पब्लिक स्कूल रायपुर), श्री दामोदर दास जी मूंदड़ा (एम.डी. कमल सॉल्वेंट),श्री सूर्यकांत जी गुप्ता (एम.डी. राजाराम मेज प्रोडक्ट), श्री सुनील अग्रवाल जी ( एम.डी.थर्मोकेयर ग्रुप), श्री अनिल

बरडिया जी ( प्रदेश संरक्षक छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स), श्री संजय चौबे जी ( प्रदेश कार्यकारिणी अध्यक्ष छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स एण्ड इंडस्ट्रीज), श्री शरद अग्रवाल जी (जिला अध्यक्ष छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स एण्ड इंडस्ट्रीज) , श्री सूरज खंडेलवाल जी (कार्यकारी अध्यक्ष छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स राजनंदगांव), श्री संजय जैन जी सावा (अध्यक्ष जिला इंडस्ट्रीज एसोसिएशन), श्री सुनील पसारी जी (एमडी सनशाइन रबर प्रोडक्ट्स), श्री विनोद वोहरा जी (एम.डी. महावीर कंस्ट्रक्शन) सम्मिलित हुए।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ के.एल. टांडेकर ने कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए अपने उद्बोधन में कहा कि प्रदेश में पहली बार किसी महाविद्यालय में इस प्रकार औद्योगिक और एलुमनी सम्मिट का आयोजन किया गया है। प्रारंभ से ही दिग्विजय महाविद्यालय प्रदेश और जिले में शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी रहा है जहां से बड़े-बड़े उद्योगपति, समाजसेवी,राजनेता और अफसर पढ़कर निकले । हम चाहते हैं कि यहां के भूतपूर्व विद्यार्थी महाविद्यालय के अधोसंरचना और बेहतरी में अपना योगदान दें ताकि आने वाली पीढ़ी के भविष्य को बेहतर बनाया जा सके। क्योंकि महाविद्यालय में विद्यार्थियों की संख्या लगातार बढ़ रही है परंतु संसाधन सीमित है,संसाधन के उचित विकास और महाविद्यालय की अधोसंरचना में कुछ कमियां हैं, जिसे दूर किया जाना चाहिए।

जनभागीदारी समिति अध्यक्ष श्री रईस अहमद शकील जी महाविद्यालय से जुड़े अपने छात्र जीवन के अनुभव को साझा करते हुए बताया कि महाविद्यालय ने कई बड़ी उपलब्धियो को हासिल किया हैं, वर्तमान समय में विद्यार्थियों की बढ़ती संख्या और महाविद्यालय की सीमित कक्षों को बढ़ाने समेत अन्य अधोसंरचना की कमियों को बताते हुए अपने कार्यकाल में हुए महत्वपूर्ण कार्य को साझा करते हुए उम्मीद जताई कि महाविद्यालय के छात्र रहे उद्योगपति एलुमनी के सहयोग से महाविद्यालय को और बेहतर ढंग से विकसित किया जा सकेगा।

छत्तीसगढ़ के एकमात्र रबर उद्योग "सनशाइन रबर इंडस्ट्री" के संस्थापक श्री सुशील पसारी जी ने महाविद्यालय की क्षमताओं को पहचान कर विद्यार्थियों को वर्तमान वैश्विक परिदृश्य के अनुसार तैयार करने का मंत्र दिया तथा उन्होंने यहां से तैयार विद्यार्थियों को रोजगार देने की बात कही।

जिला इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री संतोष जैन जी सावा ने महाविद्यालय की पाठ्यक्रम को औद्योगिक आवश्यकता के अनुसार बनाने की बात रखी।

छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स के प्रदेश संरक्षक श्री अनिल बरडिया जी ने अपनी पैतृक परंपरा के अनुसार महाविद्यालय के विकास में हर संभव सहयोग करने का आश्वासन दिया।

कमल सॉल्वेंट के महाप्रबंधक तथा कार्यक्रम के अध्यक्ष श्री दामोदर दास जी मूंदड़ा जी ने एक उद्योगपति के लिए पूंजी तथा श्रम के संयोजन द्वारा समाज और देश के विकास के अंतर्संबंध तथा नैतिक मूल्यों का उद्योग जगत में महत्व पर विशेष बल दिया उन्होंने अपने सारगर्भित उद्बोधन में उद्योगपतियों को समाज के प्रति दायित्व के लिए सजग रहने की बात कही।

थर्मो केयर ग्रुप के महाप्रबंधक श्री सुनील अग्रवाल जी ने छात्रों को उद्योग स्थापित करने के लिए मार्गदर्शन प्रदान करते हुए कहा की एक उद्योगपति को हमेशा नवाचार नई तकनीक इनोवेशन तथा रिस्क उठाने की प्रवृत्ति बनाए रखनी चाहिए उन्होंने छात्रों के भविष्य निर्माण के लिए महाविद्यालय की सुविधाओं में वृद्धि के लिए ढाई लाख रुपए प्रदान किए।

श्री विनोद वोहरा जी ने औद्योगिक क्षेत्र मे कौशल युक्त कामगारों कमी को उजागर करते हुए बताया कि यदि विद्यार्थियों को गुणवत्ता युक्त कौशल प्राप्त हो तो औद्योगिक क्षेत्रों को बेहतर ढंग से विकसित किया जा सकेगा।

श्री संजय चौबे ने बताया कि व्यापार के परिदृश्य में राजनांदगांव एक बेहतर जगह है क्योंकि निकट भविष्य में यहां से होते हुए विशाखापत्तनम तथा हैदराबाद तक हाईवे का निर्माण किया जाना है जिससे पोर्ट तक की पहुंच आसान हो जाएगी और एक्सपोर्ट भी सुविधाजनक होगा।

श्री शरद अग्रवाल जी ने कहा कि हम विद्यार्थियों को जॉब सीकर की जगह जाब प्रोवाइडर बनने हेतु प्रेरित करें। इस हेतु छत्तीसगढ़ चेंबर आफ कामर्स उन्हें हर संभव सहयोग प्रदान करेगा।

अंत में कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री बलदेव सिंह भाटिया जी ने अपने प्रेरणादाई उद्बोधन में छात्रों को संबोधित करते हुए बताया कि उद्योगपति चाहे कितना भी धनवान हो किंतु सहृदयता विनम्रता तथा सादगी उसके जीवन का अभिन्न अंग होना चाहिए। उन्होंने महाविद्यालय के अनुभवों से अपने जीवन की उन्नति के उऋण हेतु महाविद्यालय की अधोसंरचना विकास के लिए 11 लाख रुपए अनुदान की घोषणा की । श्री सालिगराम सोनी जी स्टेट बैंक कॉलोनी राजनांदगांव ने महाविद्यालय के एलुमनी रहे अपने पुत्र स्वर्गीय अनिल सोनी की स्मृति में ₹1 लाख महाविद्यालय को प्रदान करने की घोषणा की एवं अन्य उद्योगपतियों ने महाविद्यालय में प्रतिवर्ष विद्यार्थियों के लिए इंटर्नशिप और कैंपस इंटरव्यू की आयोजन कराना सुनिश्चित किया।

IQAC संयोजक डॉ अनीता साहा प्रेजेंटेशन के माध्यम से महाविद्यालय की अभी तक की नैक ग्रेडिंग को समझाते हुए भविष्य की संभावनाओं को भी बताया, दिग्विजय महाविद्यालय भविष्य में विश्वविद्यालय बनने का सामर्थ्य रखता है। डॉ त्रिलोक देव ने महाविद्यालय के अधोसंरचना की आवश्यकता को प्रेजेंटेशन से दर्शाया और बताया कि इन क्षेत्रों में यदि बेहतर काम किया जाए तो महाविद्यालय प्रदेश समेत देश में भी अग्रणी महाविद्यालय की श्रेणी में में सम्मिलित हो सकेगा।NAAC संयोजक डॉ के.के. देवांगन ने बताया कि एलुमिनी मीट और भूतपूर्व विद्यार्थियों से

प्राप्त होने वाले फंड से भी NAAC की ग्रेडिंग में पॉइंट मिलते हैं। साथ ही इस प्रकार के योगदान से महाविद्यालय का बेहतर विकास किया जा सकेगा।कार्यक्रम का संचालन डॉ सोनल मिश्रा एवं डॉ माजिद अली ने सम्मिलित रूप से किया गया। कार्यक्रम के अंत में श्री बलदेव सिंह भाटिया जी को **"दिग्विजय रत्न"** से सम्मानित किया गया, अन्य उद्योगपतियों को **"दिग्विजय गौरव"** स्मृति चिन्ह से सम्मानित किया गया साथ ही महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ के. एल. टांडेकर और जनभागीदारी अध्यक्ष श्री रईस अहमद शकील जी को एवं जनभागीदारी समिति के सदस्यों को **"दिग्विजय श्री"** सम्मान दिया गया। उक्त कार्यक्रम के सफल आयोजन में IQAC समिति के सदस्य डॉ डी.के. वर्मा, डॉ गुरप्रीत सिंह भाटिया, श्री चिरंजीव पाण्डेय, सुश्री रागिनी पराते एवं जनभागीदारी समिति के सदस्य श्री मो. हसन, श्री जय नारायण सिंह, श्री शरद खंडेलवाल, श्री मनीष सिंह नेताम, श्री शैलेश रामटेके, श्री महेंद्र बहादुर सिंह ,श्री हितेश गुन्नाडे ,श्री इब्राहिम ,श्री अमित चंद्रवंशी ,श्री झम्मन देवांगन ,श्री आकाश सोनी ,श्री विशु अजवानी, श्री शुभम कसार, श्री हनीफ खान, सुश्री अंशुका बहेकर, सुश्री पुष्पा सावरकर, श्री सुदेश यादव आदि सम्मिलित हुए। इस कार्यक्रम में साथ ही महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक, सहायक अध्यापक, अधिकारियों एवं कर्मचारियों का विशेष योगदान रहा।

# दिग्विजय रत्नों ने बढ़ाया दिग्विजय महाविद्यालय का गौरव

राजनांदगांव (दावा)। शासकीय स्वशासी दिग्विजय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ.के.एल. टांडेकर के मार्गदर्शन और जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष एस अहमद शकील व आईक्यूएसी समिति के संयुक्त निर्देशन में प्रदेश में पहली बार किसी महाविद्यालय में इतने बड़े स्तर पर एल्युमिनी समिट का आयोजन किया गया। चाइल्ड दिग्विजय-औद्योगिक एवं भूतपूर्व विद्यार्थी सम्मेलन में प्रदेश के विभिन्न औद्योगिक, सामाजिक, शासकीय एवं अन्य क्षेत्रों में कार्यरत भूतपूर्व विद्यार्थियों ने महाविद्यालय के विकास के लिए अनुदान दिया। जिससे महाविद्यालय की अधोसंरचना को बेहतर ढंग से विकसित किया जा सकेगा साथ ही रोजगार और औद्योगिक क्षेत्र में इंटर्नशिप दिलाने की घोषणा की गई।

कार्यक्रम में आईबी ग्रुप के एमडी बहादुर अली ने 13 लाख 90 हजार नवीन भवन निर्माण हेतु, बलदेव सिंह भाटिया (एम.डी. दिल्ली पब्लिक स्कूल रायपुर) ने 11 लाख प्रदान करने की घोषणा की। जनभागीदारी अध्यक्ष एस अहमद शकील ने जिसे बढ़कर बहादुर अली के समान 13 लाख 90 हजार रु. करने का आग्रह किया है। सुनील अग्रवाल एम.डी. धर्मकांटा ग्रुप ने 5 लाख सालिग राम सोनी ने रु.1 लाख अनुदान की घोषणा की।

## औद्योगिक मीट से प्राप्त हुआ लाखों का अनुदान

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ के.एल. टांडेकर और जनभागीदारी अध्यक्ष एस अहमद शकील के संयुक्त प्रयास से महाविद्यालय को आज बड़े स्तर पर इतनी बड़ी राशि का अनुदान प्राप्त हो सका है। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ के.एल. टांडेकर ने अपना हर्ष व्यक्त करते हुए बताया कि प्रदेश में पहली बार किसी महाविद्यालय को इतनी बड़ी पद औद्योगिक क्षेत्र के भूत पूर्व विद्यार्थियों द्वारा प्राप्त हुई है। जिसका उपयोग महाविद्यालय की अधोसंरचना विकास एवं संसाधनों के बेहतर ढंग से विकसित करने में किया जाएगा। जनभागीदारी समिति अध्यक्ष श्री एस अहमद शकील जी जो स्वयं महाविद्यालय के भूतपूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष रहे हैं, आज जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष के पद पर कार्य करते हुए उनके संयुक्त प्रयासों से महाविद्यालय को औद्योगिक क्षेत्रों से इतनी बड़ी राशि का अनुदान प्राप्त हो सकी है।

श्री शकील ने बताया की काफी लंबे समय से इस कार्य योजना प्राचार्य एवं जनभागीदारी समिति कार्य कर रही थी, महाविद्यालयों की आवश्यकताओं का विश्लेषण कर अंततः हमने भूतपूर्व विद्यार्थी व औद्योगिक सम्मेलन आयोजित किया, जिसके परिणाम स्वरूप महाविद्यालय को करीब 36 लाख राशि प्राप्त हुई। उक्त सम्मेलन में जनभागीदारी समिति से इब्राहिम (मुन्ना भाई), मो. हसन, जगतनारायण सिंह, शरद खंडेलवाल, मनीष गौतम, शैलेश रामटेके, महेंद्र बहादुर सिंह, हितेश गोवर्धे, अमित चंद्रवंशी, छग्गन देवांगन, आकाश सोनी, पिंटू अजमानी, शुभम कश्यप, इमरान खान, सुश्री अंशुला खोबरागड़े, सुश्री पुष्पा साहू का भी विशेष योगदान रहा।

## आज वीर शहीद हेमू कालाणी शहादत दिवस

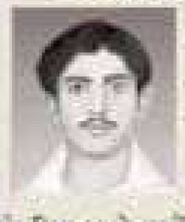

राजनांदगांव (दावा)। हिंद के वीर शहीद हेमू कालाणी की शहादत दिवस आज पूरे देश में मनाई जाएगी। पूज्य सिंधी पंचायत द्वारा आज वीर शहीद हेमू कालाणी की प्रतिमा के समक्ष हेमू कालाणी चौक पर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किया जाएगा।

सिंधी पंचायत के अध्यक्ष मनूमल मोटलानी ने बताया कि 19 वर्ष की आयु में वीर शहीद हेमू कालाणी ने देश की सुरक्षा के लिए अपने प्राणों को न्योछावर कर दिया था। आज पूज्य सिंधी पंचायत द्वारा उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किया जाएगा और शाम 6 बजे मोमबत्ती जलाकर उन्हें याद किया जाएगा। पूज्य पंचायत के वरिष्ठ सलाहकार आसनदास तेजवानी, अर्जुनदास पंजवानी, घनश्यामदास गंगवानी ने सभी देशभक्त लोगों से उक्त अवसर पर उपस्थिति का आव्हान किया है।

## न्यूज़ डायरी

# आईवी ग्रुप के एमडी अली ने दिग्विजय कॉलेज को दिये 14 लाख

**राजनांदगांव.** शासकीय स्वशासी दिग्विजय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष रईस अहमद शकील तथा प्राचार्य डॉ के. एल. टांडेकर के पहल पर आईवी ग्रुप के एमडी बहादुर अली ने 13 लाख 90 हजार नवीन भवन निर्माण हेतु, प्रदान किया. महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ के.एल. टांडेकर और जनभागीदारी अध्यक्ष रईस अहमद शकील के संयुक्त प्रयास से महाविद्यालय को आज बड़े स्तर पर इतनी बड़ी राशि का अनुदान प्राप्त हो सका है. जनभागीदारी समिति अध्यक्ष रईस अहमद शकील जो स्वयं महाविद्यालय के भूतपूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष रहे हैं, आज जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष के पद पर कार्य करते हुए उनके प्रयास से महाविद्यालय को इतनी बड़ी राशि का अनुदान प्राप्त हो सका है. महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ के.एल. टांडेकर ने अत्यंत हर्ष व्यक्त करते हुए बताया कि प्रदेश में पहली बार महाविद्यालय को इतनी बड़ी राशि प्राप्त हुई है. जिसका उपयोग महाविद्यालय की अधोसंरचना विकास एवं संसाधनों के बेहतर ढंग से विकसित करने में किया जाएगा.

# दिग्विजय रत्नों ने बढ़ाया दिग्विजय महाविद्यालय का गौरव

राजनांदगांव (दावा)। शासकीय स्वशासी दिग्विजय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ.के.एल. टांडेकर के मार्गदर्शन और जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष एस अहमद शकील व आईक्यूएसी समिति के संयुक्त निर्देशन में प्रदेश में पहली बार किसी महाविद्यालय में इतने बड़े स्तर पर एल्युमिनी मीट का आयोजन किया गया। कार्पोरेट दिग्विजय-औद्योगिक एवं भूतपूर्व विद्यार्थी सम्मेलन में प्रदेश के विभिन्न औद्योगिक, सामाजिक, शासकीय एवं अन्य क्षेत्रों में कार्यरत भूतपूर्व विद्यार्थियों ने महाविद्यालय के विकास के लिए अनुदान दिया। जिससे महाविद्यालय की अधोसंरचना को बेहतर ढंग से विकसित किया जा सकेगा साथ ही रोजगार और औद्योगिक क्षेत्र में इंटर्नशिप दिलाने की घोषणा की गई।

कार्यक्रम में आईबी ग्रुप के एमडी बहादुर अली ने 13 लाख 90 हजार नवीन भवन निर्माण हेतु, बलदेव सिंह भाटिया (एम.डी. दिल्ली पब्लिक स्कूल रायपुर) ने 11 लाख प्रदान करने की घोषणा की। जनभागीदारी अध्यक्ष एस अहमद शकील ने जिसे बढ़कर बहादुर अली के सम्मान 13 लाख 90 हजार रु. करने का आग्रह किया है। सुशील अग्रवाल एम.डी. धर्मकांटा ग्रुप ने 5 लाख सालिग राम सोनी ने रु.1 लाख अनुदान की घोषणा की।

## औद्योगिक मीट से प्राप्त हुआ लाखों का अनुदान

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ के.एल. टांडेकर और जनभागीदारी अध्यक्ष एस अहमद शकील के संयुक्त प्रयास से महाविद्यालय को आज बड़े स्तर पर इतनी बड़ी राशि का अनुदान प्राप्त हो सका है। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ के.एल. टांडेकर ने अपना हर्ष व्यक्त करते हुए बताया कि प्रदेश में पहली बार किसी महाविद्यालय को इतनी बड़ी पद औद्योगिक क्षेत्र के भूत पूर्व विद्यार्थियों द्वारा प्राप्त हुई है। जिसका उपयोग महाविद्यालय की अधोसंरचना विकास एवं संसाधनों के बेहतर ढंग से विकसित करने में किया जायेगा। जनभागीदारी समिति अध्यक्ष श्री एस अहमद शकील जी जो स्वयं महाविद्यालय के भूतपूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष रहे हैं, आज जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष के पद पर कार्य करते हुए उनके संयुक्त प्रयासों से महाविद्यालय को औद्योगिक क्षेत्रों से इतनी बड़ी राशि का अनुदान प्राप्त हो सकी है।

श्री शकील ने बताया की काफी लंबे समय से इस कार्य योजना प्राचार्य एवं जनभागीदारी समिति कार्य कर रही थी, महाविद्यालयों की आवश्यकताओं का विश्लेषण कर अंततः हमने भूतपूर्व विद्यार्थी व औद्योगिक सम्मेलन आयोजित किया, जिसके परिणाम स्वरूप महाविद्यालय को करीब 36 लाख राशि प्राप्त हुई। उक्त सम्मेलन में जनभागीदारी समिति से इब्राहिम (मुन्ना भाई), मो. हसन, जगनारायण सिंह, शरद खंडेलवाल, मनीष गौतम, शैलेश रामटेके, महेंद्र बहादुर सिंह, हितेश गोनाडे, अमित चंद्रवंशी, प्रमन देवांगन, आकाश सोनी, विभु अग्रवाल, शुभम कश्यप, इर्शाद खान, सुश्री अंकुता बोरकर, सुश्री पूजा साखरकर का भी विशेष योगदान रहा।

## आज वीर शहीद हेमू कालाणी शहादत दिवस

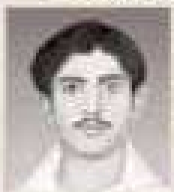

राजनांदगांव (दावा)। सिंध के वीर शहीद हेमू कालानी की शहादत दिवस आज पूरे देश में मनाई जाएगी। पूज्य सिंधी पंचायत द्वारा आज वीर शहीद हेमू कालानी की प्रतिमा के समक्ष हेमू कालानी चौक पर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किया जाएगा।

सिंधी पंचायत के अध्यक्ष मंजूमल मोटलानी ने बताया कि 19 वर्ष की आयु में वीर शहीद हेमू कालानी ने देश की सुरक्षा के लिए अपने प्राणों को न्योछावर कर दिया था। आज पूज्य सिंधी पंचायत द्वारा उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किया जाएगा और शाम 6 बजे मोमबत्ती जलाकर उन्हें याद किया जाएगा। पूज्य पंचायत के वरिष्ठ सलाहकार आसनदास तेजवानी, अर्जुनदास पंजवानी, घनश्यामदास गंगवानी ने सभी देशभक्त लोगों से उक्त अवसर पर उपस्थिति का आव्हान किया है।

# दिग्विजय की बेहतरी के लिए आगे आए उद्योगपति

## पहली बार वाइब्रेंट सम्मेलन, मिले 11 लाख रूपये

राजनांदगांव। शासकीय स्वशासी दिग्विजय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ. के. एल. टांडेकर के मार्गदर्शन, आईक्यूएसी समिति और जनभागीदारी समिति के संयुक्त निर्देशन में एल्यूमिनी समिट का आयोजन किया गया, जिसका शीर्षक ''दिग्विजय वाइब्रेंट - औद्योगिक एवं एल्यूमिनी मीट'' रहा। जिसका 1957 में महाविद्यालय के प्रारंभ से अब तक अध्ययनरत भूतपूर्व विद्यार्थी, प्रदेश के विभिन्न औद्योगिक, सामाजिक, शासकीय एवं अन्य क्षेत्रों में कार्यरत हैं, उन्हें महाविद्यालय की अधोसंरचना के विकास और बेहतर एनएएसी ग्रेडिंग के लिए भूतपूर्व विद्यार्थियों की सहभागिता सुनिश्चित करना, अध्ययनरत विद्यार्थियों को बेहतर संसाधन उपलब्ध कराना, रोजगार और औद्योगिक क्षेत्र में इंटर्नशिप दिलाना मूल उद्देश्य था।

कार्यक्रम में शहर के जाने-माने उद्योगपति बलदेव सिंह भाटिया (एम.डी. दिल्ली पब्लिक स्कूल राजनांदगांव), दामोदर दास मूंदड़ा (एम.डी. कमल सॉल्वेंट), सूर्यकांत गुप्ता (एम.डी. राजाराम मेड प्रोडक्ट), कैलाश सोनी (एम.डी.रेडियंट कारपोरेशन लिमिटेड), सुनील अग्रवाल ( एम.डी.थर्मोकेयर ग्रुप), अनिल बरडिया ( प्रदेश संरक्षक छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स), संजय चौबे ( प्रदेश कार्यकारिणी अध्यक्ष छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स एण्ड इंडस्ट्रीज), शरद अग्रवाल (जिला अध्यक्ष छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स एण्ड इंडस्ट्रीज), सूरज खंडेलवाल (कार्यकारी अध्यक्ष छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स राजनांदगांव), संतोष जैन सावा (अध्यक्ष जिला इंडस्ट्रीज एसोसिएशन), सुनील पंसारी (एमडी सनशाइन रबर प्रोडक्ट्स), विनोद बोहरा (एम.डी. महावीर कंस्ट्रक्शन) जैसे नामचीन उद्योगपति सम्मिलित हुए। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. के.एल. टांडेकर ने कहा कि प्रदेश में पहली बार किसी महाविद्यालय में इस प्रकार औद्योगिक और एलुमिनी समिट का आयोजन किया गया है। प्रारंभ से ही दिग्विजय महाविद्यालय प्रदेश और जिले में शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी रहा है जहां से बड़े-बड़े उद्योगपति, समाजसेवी राजनेता और अफसर पढ़कर निकले हैं हम चाहते हैं कि यहां के भूतपूर्व विद्यार्थी महाविद्यालय के अधोसंरचना और बेहतरी में अपना योगदान दें, ताकि आने वाली पीढ़ी के भविष्य को बेहतर बनाया जा सके। क्योंकि महाविद्यालय में विद्यार्थियों की संख्या लगातार बढ़ रही है परंतु संसाधन सीमित है। संसाधन के उचित विकास और महाविद्यालय की अधोसंरचना में कुछ कमियां है, जिसे दूर किया जाना चाहिए। श्री भाटिया ने महाविद्यालय के अधोसंरचना विकास के लिए 11 लाख रुपए अनुदान की घोषणा की।

अन्य उद्योगपतियों ने भी महाविद्यालय में प्रतिवर्ष विद्यार्थियों के लिए इंटर्नशिप और कैंपस इंटरव्यू का आयोजन कराना सुनिश्चित किया। श्री मूंदड़ा ने औद्योगिक क्षेत्र में कौशल युक्त कामगरो कमी को उजागर करते हुए बताया कि यदि विद्यार्थियों को गुणवत्ता युक्त कौशल प्राप्त हो तो औद्योगिक क्षेत्रों को बेहतर ढंग से विकसित किया जा सकेगा। आईक्यूएसी संयोजक डॉ. अनीता साहा प्रेजेंटेशन के माध्यम से महाविद्यालय की अधोसंरचना की कमियों को बताया एवं डॉ. त्रिलोक देव ने महाविद्यालय के अधोसंरचना की आवश्यकता को प्रेजेंटेशन से दर्शाया और बताया कि इन क्षेत्रों में यदि बेहतर काम किया जाए तो महाविद्यालय प्रदेश समेत देश में भी अग्रणी महाविद्यालय की श्रेणी में में सम्मिलित हो सकेगा।

भारी छूट-शादी पैकेज
इलेक्ट्रानिक्स एवं फर्नीचर रेंज
गीजर एवं रूम हीटर्स
बागड़ी ब्रदर्स
रामाधीन मार्ग

### फंड से भी ग्रेडिंग पाइंट मिलते है

एनएएसी संयोजक डॉ के.के. देवांगन ने बताया कि एलुमिनी मीट और भूतपूर्व है विद्यार्थियों से प्राप्त होने वाले फंड से भी एनएएसी की ग्रेडिंग में पॉइंट मिलते हैं, साथ ही इस प्रकार के योगदान से महाविद्यालय का बेहतर विकास किया जा सकेगा।कार्यक्रम का संचालन डॉ. सोनल मिश्रा एवं डॉ. माजिद अली ने किया। कार्यक्रम के अंत में बलदेव सिंह भाटिया को ''दिग्विजय रत्न ''से सम्मानित किया गया। अन्य उद्योगपतियों को ''दिग्विजय गौरव'' स्मृति चिन्ह से सम्मानित किया गया। साथ ही महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. के. एल. टांडेकर और जनभागीदारी अध्यक्ष रईस अहमद शकील को ''दिग्विजय '' सम्मान दिया गया।

बैगा-गुनिया समान, जड़ी-बुटी एवं शुद्ध घी से निर्मित सोठ लड्डू यहां मिलता है।
रतन दुकान
गोल बाजार, राजनांदगांव
79748-84259

## ट्रैक्टर को मारी ठोकर, दुर्घटना में दो घायल

न्तर्गत ग्राम बिजापुर मार्ग में हाईवा के खड़ी ट्रैक्टर को ठोकर मारने से 2 लोग घायल हो गए. हाइवा रगढ़ की ओर आ रही थी.प्राप्त जानकारी के अनुसार,हाईवा CG08 AN 2876 ने बिजापुर मार्ग पर जबरदस्त ठोकर मार दी. गिट्टी से भरी हाईवा घटनास्थल पर ही पलट गई.ट्रैक्टर में सवार टिकेश्वर ो चोट आई है.112 की मदद से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र डोंगरगढ़ भेजा गया जहां उपचार जारी है.

## ा दिग्विजय महाविद्यालय को मिले 12 लाख रुपए

युक्त
करते
कार्य
नल
रण,
रोड
ो तो
ग में
सका
थ ही
जल
ा से

नवभारत रिपोर्टर । राजनांदगांव।

शासकीय स्वशासी दिग्विजय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में 24 दिसम्बर को प्राचार्य डॉ के. एल. टांडेकर के मार्गदर्शन, आईक्यूएसी समिति और जनभागीदारी समिति के संयुक्त निर्देशन में प्रदेश में पहली बार किसी महाविद्यालय में इतने बड़े स्तर पर एल्यूमिनी समिट का आयोजन किया गया, जिसका शीर्षक ''दिग्विजय वाइब्रेंट - औद्योगिक एवं एल्यूमिनी मीट'' रहा. 1957 में महाविद्यालय के प्रारंभ से अब तक अध्ययनरत भूतपूर्व विद्यार्थी प्रदेश विभिन्न औद्योगिक, सामाजिक, शासकीय एवं अन्य क्षेत्रों में कार्यरत है. उन्हें महाविद्यालय के अधोसंरचना के विकास और बेहतर एनएएसी ग्रेडिंग के लिए भूतपूर्व विद्यार्थियों की सहभागिता सुनिश्चित करना, अध्ययनरत विद्यार्थियों को बेहतर संसाधन उपलब्ध कराना, रोजगार और औद्यौगिक क्षेत्र में इंटर्नशिप दिलाना मूल उद्देश्य था.

कार्यक्रम में शहर के जाने-माने उद्योगपति बलदेव सिंह भाटिया एम.डी. दिल्ली पब्लिक स्कूल राजनंदगांव, दामोदर दास मूंदड़ा एम.डी. कमल सॉल्वेंट),सूर्यकांत गुप्ता एम.डी. राजाराम मेड प्रोडक्ट, कैलाश सोनी एम.डी.रेडिएंट कारपोरेशन लिमिटेड, सुनील अग्रवाल एम.डी.थर्मोकेयर ग्रुप, अनिल बरडिया प्रदेश संरक्षक छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स, संजय चौबे प्रदेश कार्यकारिणी अध्यक्ष छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स एण्ड इंडस्ट्रीज, शरद अग्रवाल जिला अध्यक्ष छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स एण्ड इंडस्ट्रीज , सूरज खंडेलवाल कार्यकारी अध्यक्ष छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स राजनंदगांव, संजय जैन सावा अध्यक्ष जिला इंडस्ट्रीज एसोसिएशन, सुनील पंसारी (एमडी सनशाइन रबर प्रोडक्ट्स, विनोद बोहरा (एम.डी. महावीर कंस्ट्रक्शन) जैसे नामचीन उद्योगपति सम्मिलित हुए. महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ के.एल. टांडेकर ने कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए सभी अतिथियों का स्वागत किया.

## ज वेदिका खेलेंगी राष्ट्रीय स्पर्धा

द्वारा
नरीय
संबर
लाब
गांव
में
पिता
ों में
ीता.
के

समय में एक अच्छे तीरंदाजी खिलाड़ी के रूप में प्रशिक्षण प्राप्त कर रही है जिसे देखते हुए भविष्य में राष्ट्रीय स्तर की स्पर्धा में उत्कृष्ट प्रदर्शन की उम्मीद है.


कालड़ा बर्न एवं
प्लास्टिक कॉस्मेटिक सर्जरी सेंटर
सफ़ेद दाग

# दिग्विजय महाविद्यालय को मिले 12 लाख

## वाइब्रेंट दिग्विजय सम्मेलन में शामिल हुए शहर के बड़े-बड़े उद्योगपति

राजनांदगांव (दावा)। शा. स्वशासी दिग्विजय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में गत 24 दिसंबर को प्राचार्य डॉ. के.एल. टांडेकर के मार्गदर्शन, आईक्यूएसी समिति और जनभागीदारी समिति के संयुक्त निर्देशन में प्रदेश में पहली बार किसी महाविद्यालय में इतने बड़े स्तर पर एल्यूमिनी समिट का आयोजन किया गया। जिसका शीर्षक 'दिग्विजय वाइब्रेंट-औद्योगिक एवं एल्यूमिनी मीट' रहा। 1957 में महाविद्यालय के प्रारंभ से अब तक अध्ययनरत भूतपूर्व विद्यार्थी प्रदेश विभिन्न औद्योगिक, सामाजिक, शासकीय एवं अन्य क्षेत्रों में कार्यरत है, उन्हें महाविद्यालय के अधोसंरचना के विकास और बेहतर मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद ग्रेडिंग के लिए भूतपूर्व विद्यार्थियों की सहभागिता सुनिश्चित करना, अध्ययनरत विद्यार्थियों को बेहतर संसाधन उपलब्ध कराना, रोजगार और औद्यौगिक क्षेत्र में इंटर्नशिप दिलाना मूल उद्देश्य था। कार्यक्रम में शहर के जाने-माने उद्योगपति बलदेव सिंह भाटिया, दामोदरदास मूंदड़ा (एम.डी. कमल सॉल्वेंट), सूर्यकांत गुप्ता (एम.डी. राजाराम मेझ प्रोडक्ट), कैलाश सोनी (एम.डी. रेडिएंट कारपोरेशन लिमिटेड), सुनील अग्रवाल (एम.डी.थर्मोकेयर ग्रुप), अनिल बरडिया (प्रदेश संरक्षक छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स), श्री संजय चौबे ( प्रदेश कार्यकारिणी अध्यक्ष छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स एण्ड इंडस्ट्रीज), शरद अग्रवाल (जिला अध्यक्ष छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स एण्ड इंडस्ट्रीज), सूरज खंडेलवाल (कार्यकारी अध्यक्ष छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स राजनंदगांव), संजय जैन सावा (अध्यक्ष जिला इंडस्ट्रीज एसोसिएशन), सुनील पंसारी (एमडी सनशाइन रबर प्रोडक्ट्स), विनोद बोहरा (एम.डी. महावीर कंस्ट्रक्शन) जैसे नामचीन उद्योगपति सम्मिलित हुए। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ के.एल. टांडेकर ने कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए अपने उद्बोधन में कहा कि प्रदेश में पहली बार किसी महाविद्यालय में इस प्रकार औद्योगिक और एलुमिनी समिट का आयोजन किया गया है। प्रारंभ से ही दिग्विजय महाविद्यालय प्रदेश और जिले में शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी रहा है, जहां से बड़े-बड़े उद्योगपति, समाजसेवी राजनेता और अफसर पढ़कर निकले हम चाहते हैं कि यहां के भूतपूर्व विद्यार्थी महाविद्यालय के अधोसंरचना और बेहतरी में अपना योगदान दें ताकि आने वाली पीढ़ी के भविष्य को बेहतर बनाया जा सके। क्योंकि महाविद्यालय में विद्यार्थियों की संख्या लगातार बढ़ रही है, परंतु संसाधन सीमित है, संसाधन के उचित विकास और महाविद्यालय की अधोसंरचना में कुछ कमियां है, जिसे दूर किया जाना चाहिए।

बलदेव सिंह भाटिया ने महाविद्यालय के अधोसंरचना विकास के लिए 11 लाख रुपए अनुदान की घोषणा की एवं अन्य उद्योगपतियों ने महाविद्यालय में प्रतिवर्ष विद्यार्थियों के लिए इंटर्नशिप और कैंपस इंटरव्यू की आयोजन कराना सुनिश्चित किया। दामोदरदास मूंदड़ा ने औद्योगिक क्षेत्र मे कौशल युक्त कामगरों कमी को उजागर करते हुए बताया कि यदि विद्यार्थियों को गुणवत्ता युक्त कौशल प्राप्त हो तो औद्योगिक क्षेत्रों को बेहतर ढंग से विकसित किया जा सकेगा। आईक्यूएसी संयोजक डॉ. अनीता साहा प्रेजेंटेशन के माध्यम से महाविद्यालय की अधोसंरचना की कमियों को बताया एवं डॉ. त्रिलोक देव ने महाविद्यालय के अधोसंरचना की आवश्यकता को प्रेजेंटेशन से दर्शाया और बताया कि इन क्षेत्रों में यदि बेहतर काम किया जाए तो महाविद्यालय प्रदेश समेत देश में भी अग्रणी महाविद्यालय की श्रेणी में में सम्मिलित हो सकेगा। मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद संयोजक डॉ के.के. देवांगन ने बताया कि एलुमिनी मीट और भूतपूर्व विद्यार्थियों से प्राप्त होने वाले फंड से भी मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद की ग्रेडिंग में पॉइंट मिलते हैं साथ ही इस प्रकार के योगदान से महाविद्यालय का बेहतर विकास किया जा सकेगा।कार्यक्रम का संचालन डॉ सोनल मिश्रा एवं डॉ माजिद अली ने सम्मिलित रूप से किया गया। कार्यक्रम के अंत में बलदेव सिंह भाटिया को 'दिग्विजय रत्न' से सम्मानित किया गया, अन्य उद्योगपतियों को 'दिग्विजय गौरव' स्मृति चिन्ह से सम्मानित किया गया साथ ही महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ के. एल. टांडेकर और जनभागीदारी अध्यक्ष रईस अहमद शकील जी को 'दिग्विजय श्री' सम्मान दिया गया।उक्त कार्यक्रम में आईक्यूएसी समिति के सदस्य डॉ. डीके वर्मा, गुरप्रीत सिंह भाटिया, चिरंजीव पाण्डेय, रागिनी पराते समेत महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक, सहायक अध्यापक, अधिकारी एवं कर्मचारीगण सम्मिलित रहे।

ट आइ 6.112 की मदद से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र डोंगरगढ़ भेजा गया जहां उपचार जारी है.

नवभारत 27-12-22

# दिग्विजय महाविद्यालय को मिले 12 लाख रुपए

नवभारत रिपोर्टर । राजनांदगांव।

शासकीय स्वशासी दिग्विजय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में 24 दिसम्बर को प्राचार्य डॉ के. एल. टांडेकर के मार्गदर्शन, आईक्यूएसी समिति और जनभागीदारी समिति के संयुक्त निर्देशन में प्रदेश में पहली बार किसी महाविद्यालय में इतने बड़े स्तर पर एल्यूमिनी समिट का आयोजन किया गया, जिसका शीर्षक "दिग्विजय वाइब्रेंट - औद्योगिक एवं एल्यूमिनी मीट" रहा. 1957 में महाविद्यालय के प्रारंभ से अब तक अध्ययनरत भूतपूर्व विद्यार्थी प्रदेश विभिन्न औद्योगिक, सामाजिक, शासकीय एवं अन्य क्षेत्रों में कार्यरत है. उन्हें महाविद्यालय के अधोसंरचना के विकास और बेहतर एनएएसी ग्रेडिंग के लिए भूतपूर्व विद्यार्थियों की सहभागिता सुनिश्चित करना, अध्ययनरत विद्यार्थियों को बेहतर संसाधन उपलब्ध कराना, रोजगार और औद्यौगिक क्षेत्र में इंटर्नशिप दिलाना मूल उद्देश्य था.

कार्यक्रम में शहर के जाने-माने उद्योगपति बलदेव सिंह भाटिया एम.डी. दिल्ली पब्लिक स्कूल राजनंदगांव, दामोदर दास मूंदड़ा एम.डी. कमल सॉल्वेंट),सूर्यकांत गुप्ता एम.डी. राजाराम मेड प्रोडक्ट, कैलाश सोनी एम.डी.रेडिएंट कारपोरेशन लिमिटेड, सुनील अग्रवाल एम.डी.थर्मोकेयर ग्रुप, अनिल बरडिया प्रदेश संरक्षक छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स, संजय चौबे प्रदेश कार्यकारिणी अध्यक्ष छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स एण्ड इंडस्ट्रीज, शरद अग्रवाल जिला अध्यक्ष छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स एण्ड इंडस्ट्रीज , सूरज खंडेलवाल कार्यकारी अध्यक्ष छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स राजनंदगांव, संजय जैन सावा अध्यक्ष जिला इंडस्ट्रीज एसोसिएशन, सुनील पंसारी (एमडी सनशाइन रबर प्रोडक्ट्स, विनोद बोहरा (एम.डी. महावीर कंस्ट्रक्शन) जैसे नामचीन उद्योगपति सम्मिलित हुए. महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ के.एल. टांडेकर ने कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए सभी अतिथियों का स्वागत किया.

# दिग्विजय महाविद्यालय को मिले 12 लाख

## वाइब्रेंट दिग्विजय सम्मेलन में शामिल हुए शहर के बड़े-बड़े उद्योगपति

राजनांदगांव (दावा)। शा. स्वशासी दिग्विजय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में गत 24 दिसंबर को प्राचार्य डॉ. के.एल. टांडेकर के मार्गदर्शन, आईक्यूएसी समिति और जनभागीदारी समिति के संयुक्त निर्देशन में प्रदेश में पहली बार किसी महाविद्यालय में इतने बड़े स्तर पर एल्यूमिनी समिट का आयोजन किया गया। जिसका शीर्षक 'दिग्विजय वाइब्रेंट-औद्योगिक एवं एल्यूमिनी मीट' रहा। 1957 में महाविद्यालय के प्रारंभ से अब तक अध्ययनरत भूतपूर्व विद्यार्थी प्रदेश विभिन्न औद्योगिक, सामाजिक, शासकीय एवं अन्य क्षेत्रों में कार्यरत है, उन्हें महाविद्यालय के अधोसंरचना के विकास और बेहतर मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद ग्रेडिंग के लिए भूतपूर्व विद्यार्थियों की सहभागिता सुनिश्चित करना, अध्ययनरत विद्यार्थियों को बेहतर संसाधन उपलब्ध कराना, रोजगार और औद्योगिक क्षेत्र में इंटर्नशिप दिलाना मूल उद्देश्य था। कार्यक्रम में शहर के जाने-माने उद्योगपति बलदेव सिंह भाटिया, दामोदरदास मुंदड़ा (एम.डी. कमल सॉल्वेंट), सूर्यकांत गुप्ता (एम.डी. राजाराम मेझ प्रोडक्ट), कैलाश सोनी (एम.डी. रेडियंट कारपोरेशन लिमिटेड), सुनील अग्रवाल (एम.डी.थर्मोकेयर ग्रुप), अनिल बरडिया (प्रदेश संरक्षक छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स), श्री संजय चौबे ( प्रदेश कार्यकारिणी अध्यक्ष छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स एण्ड इंडस्ट्रीज), शरद अग्रवाल (जिला अध्यक्ष छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स एण्ड इंडस्ट्रीज), सूरज खंडेलवाल (कार्यकारी अध्यक्ष छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स राजनंदगांव), संजय जैन सावा (अध्यक्ष जिला इंडस्ट्रीज एसोसिएशन), सुनील पंसारी (एमडी सनशाइन रबर प्रोडक्ट्स), विनोद बोहरा (एम.डी. महावीर कंस्ट्रक्शन) जैसे नामचीन उद्योगपति सम्मिलित हुए। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ के.एल. टांडेकर ने कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए अपने उद्बोधन में कहा कि प्रदेश में पहली बार किसी महाविद्यालय में इस प्रकार औद्योगिक और एलुमिनी समिट का आयोजन किया गया है। प्रारंभ से ही दिग्विजय महाविद्यालय प्रदेश और जिले में शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी रहा है, जहां से बड़े-बड़े उद्योगपति, समाजसेवी राजनेता और अफसर पढ़कर निकले हम चाहते हैं कि यहां के भूतपूर्व विद्यार्थी महाविद्यालय के अधोसंरचना और बेहतरी में अपना योगदान दें ताकि आने वाली पीढ़ी के भविष्य को बेहतर बनाया जा सके। क्योंकि महाविद्यालय में विद्यार्थियों की संख्या लगातार बढ़ रही है, परंतु संसाधन सीमित है, संसाधन के उचित विकास और महाविद्यालय की अधोसंरचना में कुछ कमियां है, जिसे दूर किया जाना चाहिए।

बलदेव सिंह भाटिया ने महाविद्यालय के अधोसंरचना विकास के लिए 11 लाख रुपए अनुदान की घोषणा की एवं अन्य उद्योगपतियों ने महाविद्यालय में प्रतिवर्ष विद्यार्थियों के लिए इंटर्नशिप और कैंपस इंटरव्यू की आयोजन कराना सुनिश्चित किया। दामोदरदास मूंदड़ा ने औद्योगिक क्षेत्र मे कौशल युक्त कामगरों कमी को उजागर करते हुए बताया कि यदि विद्यार्थियों को गुणवत्ता युक्त कौशल प्राप्त हो तो औद्योगिक क्षेत्रों को बेहतर ढंग से विकसित किया जा सकेगा। आईक्यूएसी संयोजक डॉ. अनीता साहा प्रेजेंटेशन के माध्यम से महाविद्यालय की अधोसंरचना की कमियों को बताया एवं डॉ. त्रिलोक देव ने महाविद्यालय के अधोसंरचना की आवश्यकता को प्रेजेंटेशन से दर्शाया और बताया कि इन क्षेत्रों में यदि बेहतर काम किया जाए तो महाविद्यालय प्रदेश समेत देश में भी अग्रणी महाविद्यालय की श्रेणी में में सम्मिलित हो सकेगा। मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद संयोजक डॉ के.के. देवांगन ने बताया कि एलुमिनी मीट और भूतपूर्व विद्यार्थियों से प्राप्त होने वाले फंड से भी मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद की ग्रेडिंग में पॉइंट मिलते हैं साथ ही इस प्रकार के योगदान से महाविद्यालय का बेहतर विकास किया जा सकेगा।कार्यक्रम का संचालन डॉ सोनल मिश्रा एवं डॉ माजिद अली ने सम्मिलित रूप से किया गया। कार्यक्रम के अंत में बलदेव सिंह भाटिया को 'दिग्विजय रत्न' से सम्मानित किया गया, अन्य उद्योगपतियों को 'दिग्विजय गौरव' स्मृति चिन्ह से सम्मानित किया गया साथ ही महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ के. एल. टांडेकर और जनभागीदारी अध्यक्ष रईस अहमद शकील जी को 'दिग्विजय श्री' सम्मान दिया गया।उक्त कार्यक्रम में आईक्यूएसी समिति के सदस्य डॉ. डीके वर्मा, गुरप्रीत सिंह भाटिया, चिरंजीव पाण्डेय, रागिनी पराते समेत महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक, सहायक अध्यापक, अधिकारी एवं कर्मचारीगण सम्मिलित रहे।

दावा

27-12-22

# शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय

## राजनांदगाँव (छ.ग.)

दूरभाष/फैक्स
07744-225036 (Off.)
E-mail : principal@digvijaycollege.com
info@digvijaycollege.com
Website : www.digvijaycollege.com

क्रमांक 2376 दिनांक 03.03.2023

प्रति,

श्री बहादुर अली जी,
अजीज मेमोरियल चेरिटेबल ट्रस्ट,
आईबी ग्रुप, राजनांदगांव

विषय :— शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय को निर्माण कार्य के लिए घोषित रुपये 14.00 लाख में से प्रथम किश्त के रूप में 5.00 लाख रु. प्रदाय करने पर धन्यवाद बाबत्।

महोदय,

शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय, राजनांदगांव को नवीन कक्षों के निर्माण हेतु आपके द्वारा घोषित रुपये 14.00 लाख में से प्रथम किस्त के रुप में रुपये 5.00 लाख की राशि महाविद्यालय को प्राप्त हुई है। इस सहयोग हेतु महाविद्यालय परिवार आपका आभारी है।

सादर धन्यवाद!

**डॉ. के एल टांडेकर**
प्राचार्य
शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय,
राजनांदगांव (छ.ग.)

**याद रखें / Remember:**

- आपके खाते में नवीनतम केवायसी, नामांकन, मोबाइल नंबर एवं ई-मेल आईडी अद्यतन होने चाहिए.
  Your account should be updated with your latest KYC, Nomination, Mobile number & Email ID
- अपनी पासबुक को सावधानी पूर्वक रखें. अपनी पासबुक पर हस्ताक्षर न करें. पासबुक को नियमित रूप से अद्यतन करें. किसी भी प्रकार की विसंगति होने की सूचना तत्काल दी जानी चाहिए.
  Preserve your passbook carefully. Do not put your signature on passbook. Get passbook updated regularly. Any discrepancy should be notified immediately.
- कृपया अपनी व्यक्तिगत जानकारी, प्रयोक्ता आईडी, पिन, पासवर्ड, सीवीवी संख्या किसी को न बताएं. कॉल या ई-मेल के माध्यम से इस प्रकार की जानकारी मांगे जाने पर शाखा को सूचित किया जाना चाहिए.
  Please do not give your personal information, user IDs, Pins, Password, CVV number to anyone. Any calls or emails requesting for such information should be notified to the branch.
- खाते के लिए पहली पासबुक निःशुल्क होगी. शुल्क का भुगतान किए जाने पर डुप्लीकेट पासबुक उपलब्ध करवायी जाएगी.
  First passbook in account is free. Duplicate passbook may be provided on payment of fee.
- प्रत्येक अर्द्ध वर्ष में 50 डेबिट (स्थायी अनुदेशों, वैकल्पिक डिलिवरी चैनलों, सेवा प्रभारों से संबंधित प्रविष्टियों को छोड़कर) की अनुमति होगी. 50 प्रविष्टियों से अधिक लेन देन होने पर प्रभार लगाया जाएगा.
  50 debits (excluding Standing instruction, Alternate Delivery Channels, related to service charges) per half year is permitted. Transaction exceeding above 50 will be charged.
- ब्याज की गणना दैनिक आधार पर की जाएगी और तिमाही की समाप्ति के 15 दिनों के भीतर खाते में जमा किया जाएगा.
  Interest is calculated on daily basis and credited to accounts within 15 days of end of quarter.

Branch Name : RAJNANDGAON,CHATTISGARH  Phone : 07744-223536
Branch Address : G.E.ROAD
: KIKABHAI COMPLEX,RAJNANDGAON,RAJNAND GAON,CHHATISGARH,INDIA
Branch Email ID : rajrai@bankofbaroda.com
MICR Code : 491012001  IFSC : BARBORAJRAI [Fifth character is zero]
Customer ID : TPA073401  PPO No : NA
Account Number : 26200100028732  A/c Opening Date : 02-03-2023
Account Name : PRINCIPAL GOVT DIGVIJAY COLLEGE ALUMANI
Address : GOVERNMENT DIGVIJAY COLLEGE
: KILLAPARA RAJNANDGAON
: RAJNAND GAON CG 491441
Nominee Name : No

| दिनांक Date | विवरण Particulars | चेक नं. CHQ. No. | नामे ₹ Debit ₹ | जमा ₹ Credit ₹ | शेष राशी ₹ Balance ₹ |
|---|---|---|---|---|---|
| 15-03-2023 | BY INST 528208 MICR CLG CIS | | | 500000.00 | 500000.00 |
| 04-05-2023 | 26200100028732IntPd02-03-2023 to 30-04-2023 | | | 1771.00 | 501771.00 |
| ##As on 26-07-2023 13:29:24 Clr Bal:501771.00 Unclr Bal:0.00 Lien:0.00 (KID ELSSP2620MC1) | | | | | |
| 27-07-2023 | BY CASH | | | 75000.00 | 576771.00 |
| 06-08-2023 | 26200100028732IntPd01-05-2023 to 31-07 | | | 3506.00 | 580277.00 |
| 30-09-2023 | 26200100028732IntPd01-08-2023 to 29-09 | | | 2623.00 | 582900.00 |
| ##As on 13-10-2023 09:07:05 Clr Bal:582900.00 Unclr Bal:0.00 Lien:0.00 | | | | | |